* U A - 0 0 4 8 - R *

UA-0048-R

Second Year B. A. Examination

February/March – 2012

Hindi - Paper - I

(छायावायोत्तर हिन्दी काव्य)

Time : Hours] [Total Marks :

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **S. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi - 1**

☛ Subject Code No. : **0 0 4 8** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **NIL**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

१ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ–वध' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

१ जयद्रथ–वध के आधार पर अभिमन्यु की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

२ 'नारी' कविता में व्यक्त कवि की नारीभावना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

२ '' 'मोचीराम' कविता में व्यक्त एक आम आदमी की व्यथा और आक्रोश की अभिव्यक्ति है'' इस विधान का तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

३ अभिमन्यु की मृत्यु पर शोकाग्रस्त अर्जुन की मनोदशा को 'जयद्रथ–वध' के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

३ 'गीत–फरोश' काव्य में व्यक्त कवि के विचार अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

४ टिप्पणीयाँ लिखिए :

(अ) 'जयद्रथ–वध' काव्य का भाषा सौष्ठव।

अथवा

(अ) 'जयद्रथ–वध' काव्य में उत्तरा का विलाप।

(ब) 'परशुराम की प्रतिक्षा' कविता का सन्देश।

अथवा

(ब) 'जो बीत गई सो बात गई' कविता में सन्देश।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) निःशस्त्र पर आघात करना सर्वथा अन्याय है,
स्वीकार करता बात यह सब शूर जन समुदाय है।
पर जानकर भी हा। इसे आती न तुमको लाज है,
होता कलंकित आज तुमसे शूरवीर–समाज है।

अथवा

(क) मैं हूँ वही जिसका हुआ था ग्रन्थि–बंधन साथ में
मैं हूँ वही जिसका लिया था हाथ अपने हाथ में
मैं हूँ वही जिसको किया था विधि–विहित अर्धांगिनी
भूला न मुझको नाथ, हूँ में अनुचरी चिरसंगिनी॥''

(क) एक आदमी
रोटी बेलता है
एक आदमी रोटी खाता है
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है
वहे सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ –
''यह तीसरा आदमी कौन है?''
मेरे देश की संसद मौन है।

अथवा

(ख) मुसलमान औ' हिंदू है दो,
एक मगर, उनका प्याला,
एक मगर उनका मदिरालय,
एक मगर उनकी हाला;
दोनो रहते एक न जबतक
मस्जिद–मंदिर में जाते;
बैर बढ़ाते मस्जिद–मंदिर,
मैल कराती मधुशाला।

(ग) अधिकार खोकर बैठे रहना, यह महा दुष्कर्म है,
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दन्ड देना धर्म है।

अथवा

(ग) एक ही संविधान के नीचे
भूख से रिरियाती हुई फैली हथेली का नाम 'गया' है
और भूख में
तनी हुई मुट्ठी का नाम
नकसलबाड़ी है।